केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में वन महोत्सव– 2021 (हर मेड पर पेड) कार्यक्रम का विशाल आयोजन।

आज दिनांक 16 जुलाई, 2021 को संस्थान में विशाल वन महोत्सव –2021 का आयोजन किया गया। यह वन महोत्सव कार्यक्रम भा.कृ.अनु.परिषद, नई दिल्ली की स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण और जागरूकता के लिये राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के अतंगर्त आयोजित किया गया। यह आयोजन भारत का अमृत महोत्सव के उत्सव के हिस्से के रूप में **हर मेड पर पेड थीम** के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिषद द्वारा सारे देश में 10 लाख पौधे लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। संस्थान के विभिन्न प्रक्षेत्रों तथा केम्पस क्षेत्र में 300 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। सजावटी एवं औषधीय पौधे जिनमें मुख्यतः बड, पीपल, नीम, (त्रिवेणी) शीशम, अशोक, पुतरनजीवा, पाम इत्यादि शामिल थे। सर्वप्रथम डा0 राकेश बनयाल ,नोडल ऑफिसर ने मुख्य अतिथि तथा संस्थान के निदेशक डा0 प्रबोध चन्द्र शर्मा का स्वागत किया और वन महोत्सव के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्य अतिथि तथा संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने कहा कि वृक्षों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। वन महोत्सव संस्थान में हर वर्ष मनाया जाता है दिन–प्रतिदिन प्रदूषण और वैश्विक तापमान बढ़ रहा है जिसको नियंत्रित करने में वनों का महत्वपूर्ण योगदान है इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए और उनकी उचित देखभाल भी करनी चाहिए। एक व्यक्ति को कम से कम 7 पौधे लगाने चाहिए। विकास कार्यों के कारण भारत में प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में वृक्ष कट जाते हैं। जिससे पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है। हमें पर्यावरण के लिये अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। फिलीपींस में डिग्री प्राप्त करने के लिये प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम 10 पौधे लगाना अनिवार्य है। भारत में भी इस दिशा में प्रयास होना चाहिए। लोगों में जागरूकता की कमी है और उनको जागरूक करने की बहुत आवश्यक है। हमें अपने आस–पास के व्यक्तियों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित करते रहना होगा। हमें विज्ञान के साथ–साथ पर्यावरण को भी बढ़ावा देना चाहिए। उन्होने आहवान किया की लगाए जा रहे पौधो का संरक्षण एवं रख रखाव उचित ढंग से किया जाना चाहिए।

इस वन महोत्सव में डा. कैलाश प्रजापत ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान के सभी प्रभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया।